कामना

श्रेया बसु

मैं बनना चाहती हूं तुम्हारी पेंसिल रंगीन
कि कर सकूं चित्रित सफेद कबूतर
जो उड़ सके तुम्हारे आकाश पर

मैं होना चाहती हूं कपड़ा तुम्हारे लिए
कि सिल सकूं
शान्ति के प्रतीक

मैं होना चाहती हूं सूरज तुम्हारा
कि उग सकूं रोज
और दे सकूं नई आशाएं

मैं बनना चाहती हूं सितारा
कि चमकते हुए
जगा सकूं इच्छा जिन्दगी के लिए

मैं बनना चाहती हूं तम्हारी दोस्त
कि आनन्द की राह दिखा सकूं
मैं चिड़िया बनकर
तुम्हारी उदासी उड़ा ले जाती

बादल बनना चाहती हूं मैं
जो उड़ता रहे आकाश में
लाता रहे प्रेम दूसरी जमीनों से। ◆

श्रेया बसु होल्डन एलीमेन्ट्री स्कूल, ओहियो की कक्षा IV की छात्रा हैं।

भाषान्तर : अडिग

यह वियतनामी बच्चे ग्वेन ले आई न्यू (उम्र 13 वर्ष) के चित्र 'शांति के लिए दुआ' का एक अंश है।